रीति विधान और अनुमानों में संशोधन संबंधी टिप्पणियां

विभिन्न समाहारों के आकलन में अपनाए गए आंकड़ा आधार तथा रीतिविधान दोनों की गहन समीक्षा करने के बाद राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संबंधी नई अंकमाला (आधार वर्ष 1993-94) नामक विवरणिका के माध्यम से फरवरी, 1999 में राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संबंधी मौजूदा अंकमाला आरंभ की गई थी । राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के इस अंक में प्रस्तुत किए गए अनुमान उपर्युक्त प्रकाशन में दी गई रीतिविधान पर आधारित हैं ।

वृहद आर्थिक समाहारों, देशीय उत्पाद, उपभोग, बचत तथा पूंजी निर्माण व सार्वजनिक क्षेत्र संव्यवहार और असमाहारित विवरणों की सामान्य विवरणियों के अलावा, इस अंक में पांच विशेष विवरण सम्मिलित हैं । विवरण एस-1 1950-51 से 2000-01 की जनसंख्या तथा महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक समाहारों के तुलनीय अनुमान प्रस्तुत करता है, जो कि प्रयोक्ताओं के तत्काल संदर्भ हेतु, नयी श्रृंखला के आधार वर्ष 1993-94 पर (1) वर्ष 1993-94 से पहले 1980-81 तक, यथासंभव अतिरिक्त व्याप्ति, अवधारणात्मक तथा रीतिविधान संबंधी सुधारों पर आधारित तथा (2) इसके पश्चात असमाहारित स्तर पर जोड़-तोड़ की तकनीक का प्रयोग करते हुए, विशेषतः समावेशित किए गए हैं । विवरण एस-2 विगत की भांति विभिन्न संस्थाओं के लेखा बहियों में उपलब्ध कराये गये मूल्यह्रास को दर्शाता है । विवरण एस-3 लागत-उत्पादन अनुपातों का प्रयोग करते हुए पशुधन क्षेत्र उत्पाद का मूल्य और घरेलू उत्पादन देती है जैसे लागत-उत्पाद संव्यवहार सारणियों के लिए विशेष रूप से निकाली गई है तथा जैसा राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2000 में भी किया गया है । विशेष सारणी एस-4 प्रचलित और स्थिर (1993-94) मूल्यों पर वर्ष 2002-03 के लिए राष्ट्रीय आय के संशोधित अग्रिम अनुमान देती है । केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन वर्ष की समाप्ति से पूर्व स्थिर मूल्यों पर राष्ट्रीय आय के अग्रिम अनुमान जारी करता रहा है । अग्रिम अनुमान तैयार करने के लिए रीतिविधान राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 1994 में प्रकाशित की गई है । प्रचलित मूल्य अनुमान थोक मूल्य सूचकांक तथा सकल देशीय उत्पाद के निहित मूल्य अपस्फीति (आई पी डी), पिछला आंकड़ा प्रयोग करते हुए, के बीच प्रतिगमन माडल बनाते हुए संकलित किए गए हैं । निहित मूल्य अवस्फीति (आई पी डी) स्थिर मूल्य अनुमानों के लिए प्रचलित मूल्य अनुमानों का अनुपात है । डब्ल्यू पी आई और आईपीडी के संबंध में पिछले आंकड़ों को डब्ल्यू पी आई के वर्तमान आंकड़ों के साथ पढ़ने पर संदर्भ अवधि के लिए संगत आईपीडी प्राप्त होता है । वर्ष 1997-98 से 2002-03 तक के लिए सकल देशीय उत्पाद के त्रैमासिक अनुमान विशेष विवरण एस-5 में दिए गए हैं । केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा विकसित की गयी, इन तिमाही जी डी पी अनुमानों को संकलित करने का रीतिविधान रा.ले.सां.1999 में पहले ही दिया जा चुका है ।

नए/संशोधित आंकड़ों की उपलब्धता के कारण अनुमानों में किए गए संशोधनों के स्रोत नीचे दिए गए हैं ।

नए/संशोधित आंकड़ों की उपलब्धता के कारण अनुमानों का संशोधन

नए/संशोधित आंकड़ों के कारण अनुमानों का संशोधन राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2002 में प्रकाशित वृहत आर्थिक समाहारों और उनके असमाहारित घटकों के पूर्व वर्षों के त्वरित अनुमान तथा अनुमानों में नए/संशोधित आंकड़े उपलब्ध हो जाने के कारण संशोधन किया गया है । अनुमानों के संशोधन के लिए प्रयोग किए गए आंकड़ों के स्रोत नीचे दिए गए हैं ।

क देशीय उत्पाद

1. कृषि

1.1 फसलों के समस्त भारत के अंतिम अनुमान 2001-02 ।

1.2 फसल उत्पादन के पूर्णतः संशोधित अनुमान 2000-01 ।

1.3 भूमि उपयोग सांख्यिकी - फसलाधीन क्षेत्र-1999-2000 तथा राज्यों से प्राप्त आंकड़े ।

1.4 पशुपालन और डेरी विभाग, कृषि मंत्रालय से प्राप्त दूध, अण्डे और ऊन उत्पादन के 1999-2000 और 2000-01 के संशोधित अनुमान।

1.5 राज्य सरकारों से प्राप्त वर्ष 1999-2000 और 200-01 के लिए मांस उत्पादन के संशोधित अनुमान ।

1.6 राज्य सरकारों से प्राप्त 2000-01 और इससे आगे के वर्षों के कृषिगत पण्यों और पशुधन उत्पादों के मूल्यों के संशोधित आंकड़े।

2. वानिकी एवं लटठे बनाना

प्रधान मुख्य वन संरक्षक/राज्य अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालयों से प्राप्त 1999-2000 तथा 2000-01 हेतु ईंधन लकड़ी के मूल्यों संबंधी आंकड़े तथा औद्योगिक लकड़ी एवं गौण वन उत्पादों के उत्पादन तथा मूल्यों संबंधी आंकड़े ।

3. मत्स्यन

वर्ष 1999-2000 तथा 2000-01 हेतु समुद्री मछली, देशी मछली, झींगा एवं गहरे समुद्र में मछली पकड़ना तथा मूल्यों संबंधी आंकड़े राज्य मत्स्यन विभाग तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग, कृषि मंत्रालय से प्राप्त ।

4. खनन और उत्खनन

4.1 भारतीय खान ब्यूरों आई.बी.एम. द्वारा 1999-2000 से 2001-02 तक क्रमशः खनिज उत्पादन की मासिक सांख्यिकी मार्च,,2001 और मार्च,2002 तक के लिए खनिज उत्पादन के आंकड़े ।

4.2 राज्य भौगोलिक विभागों से प्राप्त, गौण खनिजों का उत्पादन 1999-2000 से 2001-2002 तक ।

4.3 तेल और प्राकृतिक गैस निगम और आयल इंडिया लिमिटेड (ओ आई एल) से प्राप्त लागत-उत्पादन आंकड़े ।

4.4 नेवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन से प्राप्त लागत आंकड़े ।

4.5 आई.बी.एम. से 1999-2000 से 2000-01 हेतु खनिजों के लागत आंकड़ें ।

5. विनिर्माण पंजीकृत

5.1 वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण, 1999-2000 ।

5.2 आई.एस.डी., के.सां.सं. से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक ।

5.3 डब्ल्यू.पी.आई., आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, उद्योग मंत्रालय ।

5.4 प्रतिरक्षा विनिर्माण इकाई के बारे में रक्षा मंत्रालय से लागत-उत्पादन आंकड़े ।

6. विनिर्माण अपंजीकृत

6.1 विकासायुक्त, लघु उद्योग द्वारा प्रकाशित लघु उद्योग इकाईयां, 1987-88 के बारे में द्वितीय अखिल भारतीय गणना ।

6.1 भारत में असंगठित विनिर्माणकारी क्षेत्र के बारे में रिपोर्ट सं. 433 (51/2.2/1) ।

7. निर्माण

7.1 क्रम सं. 2, 5, और 6.2 पर सूचीबद्ध स्रोत ।

7.2 संयुक्त स्टॉक कंपनियों का वित्त, भारतीय रिजर्व बैंक ।

7.3 कॉफी और रबड़ बोर्डों से कॉफी बागवानी के बारे में क्रमशः2000-01 और 2001-02 और रबड़ की बागवानी के बारे में 2001-02 के आंकड़े ।

7.4 वर्ष 1997-98 के लिए चाय की उपज के चाय बोर्ड से आंकड़े ।

8. विद्युत, गैस और जल आपूर्ति

8.1 राज्य विद्युत बोर्डों की वार्षिक रिपोर्ट ।

8.2 निजी क्षेत्र में विद्युत सृजित करने वाली कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट ।

8.3 गैस अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट ।

8.4 गैर-परंपरागत ऊर्जा मंत्रालय ।

9. व्यापार, होटल और जलपान गृह

9.1 क्रम संख्या 1,2,3,4,5 और 6 पर दर्शाये गये स्रोत ।
9.2 1998-99 से आगे के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्टें ।
9.3 वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय, वाणिज्य मंत्रालय से वर्ष 2000-01 एवं अन्य वर्षों के लिए प्रति इकाई आयात मूल्य सूचकांक ।
9.4 कंपनी कार्य विभाग से वर्ष 2000-01 एवं अन्य वर्षां के लिए प्राप्त, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की कुल प्रदत्त पूंजी की उपलब्धता ।

10. रेलवे, संचार और लोक प्रशासन एवं रक्षा

10.1 2001-02 के लिए संशोधित अनुमान वर्ष 2000-01 के लिए वास्तविक आंकड़े दर्शाते हुए वर्ष 2002-03 के लिए बजट दस्तावेज ।
10.2 वर्ष 2000-01 के लिए महानगर टेलीफोन निगम लि. (एम टी एन एल), विदेश संचार निगम लि. (वी एस एन एल), भारत संचार निगम लिमिटेड (बी.एस.एन.एल) और भारतीय रेलवे, वित्त निगम की वार्षिक रिपोर्टें ।

11. अन्य साधनों द्वारा परिवहन और भंडारण

11.1 राज्यों के निदेशालयों द्वारा जारी की गई वर्ष 2000-01 और इससे आगे की मोटर वाहनों की संख्या ।
11.2 वर्ष 1998-99 और इससे आगे, सड़क, जल और वायु परिवहन गतिविधियों में संलिप्त सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और निजी कंपनियों की अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्टे ।
11.3 पत्तन, विमान चालन और प्रकाश स्तंभों एवं अन्य विभागीय उद्यमों संबंधी आंकड़े जो परिवहन गतिविधियों में संलिप्त के बजट दस्तावेज क्रम संख्या 10.1 पर सूचीबद्ध है ।
11.4 केन्द्रीय और राज्य भाण्डागार निगमों के अतिरिक्त वार्षिक लेखा ।
11.5 भूतल परिवहन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित 'मोटर परिवहन सांख्यिकी 1999-2000' से सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यबल के आंकड़े ।

12. बैंकिंग और बीमा

गैर-विभागीय वित्तीय निवेश कंपनियों से संबंधित अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्ट की प्राप्ति और कंपनी कार्य विभाग से प्राप्त प्रदत्त पूंजी के संशोधित आंकड़ों के कारण वर्ष 2000-01 के लिये बैंकिंग और बीमा क्षेत्र में उत्पाद वर्धन में संशोधन किया गया । बीमा गतिविधियों में संलिप्त निजी कंपनियां पहली बार राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी-2003 में बीमा क्षेत्र में सम्मिलित की गई हैं ।

13. स्थावर संपदा, आवासों का स्वामित्व और व्यापार सेवाएं

13.1 वर्ष 2000-01 एवं 2001-02 के लिए नेसकॉम से प्राप्त सॉफ्टवेयर उत्पदन के आंकड़े ।
13.2 कृषि श्रमिकों के लिए उ.मू.सू. एवं शहरी गैर-श्रमिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ।
13.3 1998-99 एवं आगे के वर्षों के लिए बार कौंसिल ऑफ इंडिया से प्राप्त अधिवक्ताओं की संख्या संबंधी आंकड़े ।
13.4 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एवं आर्किटेक्ट्स के संख्या संबंधी 1998-99 एवं आगे के वर्षों के लिए क्रमशः इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एवं कौंसिल ऑफ आर्किटेक्ट्स से प्राप्त आंकड़े ।

14. अन्य सेवाएं

14.1 कृषि श्रमिकों के लिए उ.मू.सू. एवं शहरी गैर-श्रमिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ।

14.2 डी जी ई टी, श्रम मंत्रालय से वर्ष 2000-01 के लिए चिकित्सा और पशु चिकित्सा सेवा हेतु सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार संबंधी आंकड़े ।

14.3 राज्य सरकारों से प्राप्त 1999-2000 एवं 2000-01 के वर्षों के लिए प्राप्त भिन्न-भिन्न नगर पालिकाओं में स्वच्छता सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को दिया गया रोजगार और क्षतिपूर्ति के बारे में संशोधित आंकड़े ।

14.4 1998-99 और आगे के वर्षों के लिए अनुसंधान संस्थानों की वार्षिक रिपोर्ट ।

ख. निजी अंतिम उपभोग व्यय, बचत और पूंजी निर्माण

15. निजी अंतिम उपभोग व्यय

उत्पादन, स्टॉक में परिवर्तन, निर्यात और आयात आदि के नए/संशोधित आंकड़ों की उपलब्धता के कारण 1999-2000 के आगे के वर्षों के अनुमानों को संशोधति किया गया है । स्रोत 1..14, 17.8 और 17.9 पर सूचीबद्ध भारत के विदेश व्यापार के वर्ष 2001-02 के मासिक सांख्यिकी भाग-। एवं भाग-।।

16. बचत

16.1 आर.बी.आई. से प्राप्त पूर्ववर्ती वर्ष में परिवार क्षेत्र के लिए निवल जमा, शेयरों और डिबेंचरों में निवेश, सरकार पर निवल दावे आदि संबंधी संशोधित आंकड़े, ।

16.2 वास्तविक परिसंपत्तियों के पुनर्रीक्षण के लिए कृपया मद 17 देखें ।

16.3 आर.बी.आई. से प्राप्त निजी निगमित क्षेत्र की बचत संबंधी संशोधित आंकड़े ।

16.4 सरकारी बजट दस्तावेजों और गैर-विभागीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्टो के संबंध में क्रम सं. 8.1, 10.1, 10.2 तथा 11.2 पर सूचीबद्ध नये/अतिरिक्त आंकड़ा स्रोतों के कारण सार्वजनिक क्षेत्र की बचत 1999-2000 से आगे संशोधित की गई ।

16.5 अर्ध-निगमित और अर्ध-सरकारी निकायों की बचत का पुनरीक्षण ।

17. पूंजी निर्माण

17.1 क्रम संख्या 5,6,7,8.1,10.1 और 10.2 पर उल्लिखित स्रोत ।

17.2 भारत में विदेश व्यापार की मासिक सांख्यिकी खण्ड । और ।। , 2000-01 ।

17.3 वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण, 1999-2000 - कारखाना क्षेत्र के लिए अंतरिम परिणाम ।

17.4 आर.बी.आई. से प्राप्त निजी निगमित क्षेत्र के पूंजी निर्माण संबंधी संशोधित आंकड़े ।

17.5 अतिरिक्त आंकड़ा स्रोत के कारण वर्ष 1999-2000 और इससे आगे संशोधित सार्वजनिक क्षेत्र पूंजी निर्माण ।

17.6 आर्थिक सलाहकार के कार्यालय से प्राप्त थोक मूल्य सूचकांकः ।

17.7 केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन से प्राप्त औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आई आई पी)।

17.8 उत्पाद शुल्क 1999-2000 - भारत संघ के सीमा शुल्क और राजस्व संग्रह के आंकड़े ।

17.9 आयात शुल्क 1999-2000 - भारत संघ के सीमा शुल्क और राजस्व संग्रह के आंकड़े ।

18. स्थायी पूंजी उपभोग

स्थायी पूंजी उपभोग के अनुमान लेखा बहियों के अनुसार अवमूल्यन के उपबन्ध से भिन्न और उससे संभावित जीवन और स्थायी पूंजी स्टॉक में शामिल की गयी परिसंपत्तियों के विभिन्न प्रकार के मूल्य से आकलित किये गये हैं अर्थात राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी, स्रोत और पद्धति, 1989 । लेखा बहियों के अनुसार अवमूल्यन विशेष विवरण एस-2 में दिया गया है । निवल बचत/पूंजी निर्माण के वैकल्पिक अनुमान अवमूल्यन के लिए उपबन्ध का प्रयोग करते हुए प्राप्त किए जा सकते हैं । इन अनुमानों में सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमानों में परिवर्तन के कारण 1999-2000 से संशोधन हुआ है ।

ग. सार्वजनिक क्षेत्र संव्यवहार

19.1 सार्वजनिक क्षेत्र संव्यवहार संबंधी विवरणों में बजट दस्तावेजों, वार्षिक लेखा रिपोर्टों से विभागीय उद्यम और प्रशासनिक विभागों, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई पी एफ ओ), अर्ध-सरकारी निकायों में सार्वजनिक सेवा में कवर किए गए अनुसंधान और वैज्ञानिक संस्थान, और गैर-विभागीय उद्यमों के विश्लेषित वार्षिक लेखा के संबंध में अतिरिक्त/संशोधित/नये आंकड़ें की उपलब्धता के कारण 1999-2000 से और इससे आगे के वर्षों के लिए संशोधन किया गया हैं जो वर्ष 2000-01 के लिए सभी ऐसे उद्यमों की कुल प्रदत्त पूंजी का लगभग 95 प्रतिशत है ।

19.2 सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एम पी एल ए डी एस) के अंतर्गत खर्च किये गये संपूर्ण व्यय को पूंजी निर्माण के रूप में वर्गीकृत किया गया हैं क्योंकि योजना में टिकाऊ परिसंपत्तियों के सृजन पर जोर दिया जाता है ।

घ. संगठित और असंगठित क्षेत्रों की कारक आय

संगठित और असंगठित क्षेत्रों के कारक आय के आकलन की विस्तृत अवधारणाएं राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकीः कारक आय " नयी अंकमाला ", 1980-81 से 1989-90 तक मार्च, 1994 में दी गई हैं ।